प्रेस विज्ञप्ति

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के कुलपति और रजिस्ट्रार ने 'हर घर तिरंगा' (एचजीटी) अभियान के उपलक्ष्य में एक भव्य 'तिरंगा यात्रा' को हरी झंडी दिखाई; हजारों छात्र और संकाय सदस्यों ने देशभक्ति के जोश और उत्साह के साथ किया मार्च

नई दिल्ली, 13 अगस्त, 2025

जामिया मिल्लिया इस्लामिया (जेएमआई) के हजारों कर्मचारियों और छात्रों को एक साथ लाने वाली एक भव्य 'तिरंगा यात्रा' को आज जेएमआई के कुलपति प्रोफेसर मज़हर आसिफ और रजिस्ट्रार प्रोफेसर मोहम्मद महताब आलम रिज़वी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह यात्रा सरकार के हर घर तिरंगा (एचजीटी) अभियान के उपलक्ष्य में आयोजित की गई थी। 2 से 15 अगस्त, 2025 तक मनाए जा रहे "आज़ादी का अमृत महोत्सव" के तत्वावधान में यह तिरंगा रैली लोगों को तिरंगा अपने घर लाने और भारत की स्वतंत्रता के उपलक्ष्य में इसे गर्व से फहराने के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आयोजित की गई थी। यह रैली विश्वविद्यालय के गेट नंबर 15 से शुरू हुई और विश्वविद्यालय के मुख्य मार्ग पर एक चक्कर लगाते हुए अंसारी ऑडिटोरियम लॉन में समापन हुआ।

डीन, डीएसडब्ल्यू, विभागाध्यक्ष, केंद्रों के निदेशक, विश्वविद्यालय पुस्तकालयाध्यक्ष, मुख्य प्रॉक्टर प्रोफेसर असद मलिक, जामिया स्कूलों के प्रधानाचार्य, शिक्षक, जामिया के सैकड़ों संकाय सदस्य, छात्र और कर्मचारी तिरंगे के स्कार्फ, दुपट्टे और अन्य प्रतीकों के साथ तिरंगा यात्रा में उत्साहपूर्वक शामिल हुए।

जामिया के कुलपति प्रोफेसर आसिफ ने 'सारे जहाँ से अच्छा' वाक्यांश के साथ अपने भाषण की शुरुआत करते हुए कहा, "तिरंगा यात्रा न केवल हमारी देशभक्ति और मातृभूमि के प्रति प्रेम को व्यक्त करने का एक तरीका है, बल्कि यह हमें, विशेषकर हमारे युवाओं को, एक सूत्र में पिरोती और एकजुट करती है।" प्रोफेसर आसिफ ने कहा, "तिरंगा यात्रा सिर्फ 'राष्ट्र' के प्रति हमारी सलामी नहीं है, बल्कि हमें एक साथ मिलकर आगे बढ़ने और देश के प्रति अपने कर्तव्यों पर चिंतन करने का एक महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करती है। तिरंगा यात्रा में भाग लेकर, जामिया के शिक्षकों, कर्मचारियों और छात्रों ने उन सभी लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने के अपने संकल्प को दोहराया है जिन्होंने एक स्वतंत्र देश के लिए अपने प्राणों की आहुति दी।"

जामिया के रजिस्ट्रार प्रोफेसर रिज़वी ने कहा, "देशभक्ति और देश के प्रति प्रेम का ऐसा प्रदर्शन पहले कभी नहीं देखा गया। जामिया के शिक्षकों, कर्मचारियों और छात्रों ने अभूतपूर्व जोश और उत्साह के साथ हर घर तिरंगा यात्रा में भाग लिया है। हर घर तिरंगा यात्रा अभियान हमें उस बलिदान के बारे में सिखाता है जो हमारी स्वतंत्रता प्राप्ति में निहित है। 79 वर्षों के बाद हम यहाँ उन सभी लोगों के बलिदानों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करने और उनके पदचिन्हों पर चलकर उनका सम्मान करने के लिए एकत्रित हुए हैं जिन्होंने देश के लिए अपने प्राणों की आहुति दी।" हम तिरंगा यात्रा का उत्सव मनाते रहेंगे ताकि हमारी आने वाली पीढ़ियाँ हमारे स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को न भूलें।"

प्रोफ़ेसर रिज़वी ने ज़ामिया मिल्लिया इस्लामिया के एनसीसी कैडेटों और एनएसएस स्वयंसेवकों, छात्र कल्याण डीन, प्रोफ़ेसर नीलोफ़र अफ़ज़ल; मानविकी के डीन एवं एनसीसी समन्वयक प्रोफ़ेसर इक्तिदार मोहम्मद ख़ान और एनएसएस समन्वयक श्री विकार हुसैन सिद्दीकी को उनके अथक प्रयासों के लिए धन्यवाद दिया, जिनके कारण तिरंगा मार्च एक बड़ी सफलता बन सका। उन्होंने अपने भाषण का समापन 'जय हिंद' के साथ किया।

तिरंगा यात्रा राष्ट्रगान के साथ और विश्वविद्यालय के विशाल लॉन में 'जय हिंद' के नारों के साथ एक उत्साहपूर्ण और देशभक्तिपूर्ण स्वर में संपन्न हुई।

प्रोफ़ेसर साइमा सईद
मुख्य जनसंपर्क अधिकारी